बीएचईएल अपनी परिवर्तनकारी यात्रा में आगे बढ़ते हुए
लाभ में भारी बढ़त : शुद्ध लाभ 50.7% बढ़ा
प्रति शेयर कमाई 52.3% बढ़ी
विविधिकरण प्रयास परिणाम दे रहे हैं
100% कुल लाभांश

नई दिल्ली, 27 मई: रणनीतिक पहलों के परिणामस्वरूप, बीएचईएल ने अपने लाभ में क्वांटम वृद्धि दर्ज की और विकास संचालकों - विविधीकरण और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण गति हासिल की और वित्त वर्ष 2018-19 में कई नए व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रवेश किया है, जो विकास ड्राइवरों में महत्वपूर्ण कर्षण के साथ वर्ष का अंत करता है। अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता और प्रयास - न्यू बीएचईएल और न्यू इंडिया के निर्माण में योगदान करने के परिणामस्वरूप, कंपनी बेहतर प्रदर्शन के मार्ग पर चल रही है।

29.8% की वृद्धि दर्ज करते हुए, वर्ष के दौरान, कंपनी ने ₹2058 करोड़ के कर पूर्व लाभ (पीबीटी) अर्जित किया, जो कि एक साल पहले ₹ 1585 करोड़ का था। पिछले वित्त वर्ष में ₹ 807 करोड़ के मुकाबले इस वर्ष के दौरान शुद्ध लाभ (पीएटी) ₹1215 करोड़ रुपये है जो 50.7% की बढ़ोतरी है। वित्त वर्ष 17-18 में ₹ 2.20 के मुकाबले वित्त वर्ष 18-19 में प्रति शेयर आय (ईपीएस) ₹3.35 है, जो 52.3% की वृद्धि है। पिछले वर्ष के ₹ 27,850 करोड़ के मुकाबले कुल बिक्री भी 5.4% बढ़कर ₹ 29,349 हो गई है ।

	2018-19	2017-18	% में परिवर्तन
कुल बिक्री	29349	27850	5.4%
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	2058	1585	29.8%
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	1215	807	50.7%
अर्जन प्रति शेयर (ईपीएस)	3.35	2.20	52.3%

पिछले वर्ष में बोनस अंक के बाद इक्विटी पर, 2018-19 के लिए 40% का अंतरिम इक्विटी लाभांश का भुगतान कर चार दशकों से निर्बाध रूप से लाभांश का भुगतान करके निवेशकों को लाभान्वित करने का त्रुटिहीन रिकॉर्ड बनाए रखा। इसके अलावा, कंपनी ने शेयरधारकों के अनुमोदन मिलने की दशा में, 60% के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। इसके साथ, वर्ष 2018-19 के लिए इक्विटी पर कुल लाभांश 100% होगा। गौरतलब है कि वर्ष 2018-19 के लिए कुल लाभांश भुगतान पिछले छह वर्षों के दौरान उच्चतम रहेगा।

विविधीकरण पर बल देने के साथ एक सिमटे हुए और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल में व्यापार को बढ़ाने की दूरदर्शी रणनीति के परिणामस्वरूप अनेक सफलताएं मिली हैं। वर्ष के दौरान, कंपनी ने अपने परिवहन व्यवसाय खंड और पुर्जों और सेवाओं में अब तक के सबसे अधिक ऑर्डर बुक किए; 5000 एचपी WAG-7 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए भारत की पहली अत्याधुनिक रीजेनरेटिव ब्रेकिंग प्रणाली विकसित की गई और भारतीय रेल को बीएचईएल का पहला 6,000 एचपी का

इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव दिया गया। 440 ट्रैक किमी के रेल मार्ग के ट्रैक विद्युतीकरण के लिए भी बीएचईएल को पहला आदेश प्राप्त हुआ। कंपनी ने सागरदिघी में 5 मेगावाट के पहले वाणिज्यिक पैमाने के ऑर्डर के साथ फ्लोटिंग सौर ऊर्जा व्यवसाय में और दिल्ली-चंडीगढ़ राजमार्ग में सौर-आधारित ईवी चार्जर्स की स्थापना हेतु प्रथम ऑर्डर के साथ इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में प्रवेश किया। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने अन्य नए खंडों जैसे झील शोधन, सार्वजनिक जल, बैटरी भंडारण के साथ पीवी संयंत्रों आदि में प्रवेश किया है।

विद्युत क्षेत्र में, अति प्रतिस्पर्धी बाजार में अपने बाजार नेतृत्व को बनाए रखते हुए, बीएचईएल ने पश्चिम बंगाल में एक थर्मल पावर प्लांट के लिए मुख्य प्लांट पैकेज ऑर्डर (1x660 मेगावाट की सागरदिघी एक्सटेंशन यूनिट 5) हासिल किया। कंपनी ने वर्ष 2019-20 और उस के बाद निष्पादन के लिए लगभग 1,09,000 करोड़ रुपये की ऑर्डर बुक के साथ वर्ष का समापन किया है। कंपनी ने तेलंगाना के कोथागुडम थर्मल पावर स्टेशन में 46 महीने के रिकॉर्ड समय में 800 मेगावाट की थर्मल यूनिट को सफलतापूर्वक चालू करने का एक नया मानदंड भी बनाया है।

बीएचईएल एक दशक से अधिक समय से उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय में एक प्रमुख निर्माता रहा है और देश में सबसे शुरुआती निर्माताओं में से एक है। कंपनी ने 2018-19 में अत्याधुनिक सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन (SCR) पैकेजों के लिए 2 सेटों और फ्लू गैस डीसल्फराइज़ेशन (FGD) पैकेज के लिए 17 सेटों के ऑर्डर प्राप्त किए। इसके साथ, बीएचईएल ने अब तक 34 सेट के लिए एफजीडी पैकेज और 11 सेट के लिए एससीआर पैकेज के ऑर्डर प्राप्त किए । उत्सर्जन नियंत्रण के लिए स्वदेशी रूप से प्रमुख उपकरण बनाने की बीएचईएल की योजना, सरकार की 'मेकिंग इन इंडिया' योजना और इसकी राष्ट्र में कार्बन पदचिह्न को सीमित करने के लिए 'एकीकृत राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (इनटेनडिड नेशनल डेटरमाइंड कन्ट्रीब्यूशन - आईएनडीसी) योजना', दोनों को बढ़ावा देती है।

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, विदेशी बाजारों में, बीएचईएल ने चालू वित्त वर्ष में 17 देशों से परियोजनाओं, उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं के लिए 50 ऑर्डर प्राप्त किए हैं। इसमें नेपाल में सबसे बड़े हाइड्रो पावर संयंत्र, 4x225 मेगावाट अरुण -3 हाइड्रो पावर परियोजना का एक प्रतिष्ठित ऑर्डर भी शामिल है। बीएचईएल अपनी पहली विदेशी सौर ईपीसी परियोजना - 32 मेगावाट के जिरमाया सोलर ऊर्जा परियोजना, चाड हेतु मिले अवसर में भी अच्छी स्थिति में है।

मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देने के साथ, गैर-कोयला क्षेत्रों में व्यापार की हिस्सेदारी को 30% के वर्तमान स्तर से 50% तक बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। बीएचईएल सोलर, जल, रक्षा, एयरोस्पेस, बिजली भंडारण समाधान, मोबिलिटी, रेलवे विद्युतीकरण, आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नई पहल कर रहा है।

बीएचईएल भविष्य में विकास के नए मार्ग के लिए मजबूत आधार रख रहा है। नए व्यावसायिक क्षेत्रों में पहल के लिए सबसे महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में प्रौद्योगिकी विकास की आवश्यकता होगी। कंपनी ने मिशन मोड में महत्वपूर्ण तकनीकों को घरेलू रूप से विकसित किया है, जिसमें उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी (एयूएससी), कोल टू मेथनॉल, प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी, आदि शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से एयूएससी परियोजना में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, और अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियों में, बीएचईएल ने मिश्र धातु 625M टरबाइन केसिंग (लगभग 50 टन) के लिए दुनिया की सबसे भारी कास्टिंग को सफलतापूर्वक ढाला है। बीएचईएल हरिद्वार में रेल-आधारित लॉजिस्टिक टर्मिनल स्थापित करने की प्रक्रिया में है और बेंगलुरु में सोलर पीवी विनिर्माण क्षमता के विस्तार करने के साथ-साथ बेंगलुरु को एक सोलर व्यवसाय का केंद्र बनाने की योजना है।